दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, मंगलवार 10 दिसंबर 2024 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-07, अंक- 72

महत्वपूर्ण एवं खास

दिल्ली से शिलांग जा रहे स्पाइसजेट के विमान से टकराया पक्षी, पटना में हुई इमरजेंसी लैंडिंग

नईदिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली से मेघालय के शिलांग जा रही स्पाइसजेट के विमान को सोमवार सुबह आपातकालीन स्थिति में पटना हवाई अड्डे पर उतारा गया।स्पाइसजेट की उड़ान एसजी 2950 को हवा में एक पक्षी के टकराने के बाद पटना में उतारा गया। पक्षी के टकराने से विमान में हडक़ंप मच गया।विमान के पायलट ने आपातकालीन सूचना देने के बाद विमान को सुरक्षित उतारा। विमान में 80 यात्री सवार थे। सभी सुरक्षित बताए जा रहे हैं। पटना हवाई अड्डे के निदेशक आंचल प्रकाश ने बताया कि तकनीकी समस्या के कारण सुबह 8:52 बजे विमान को उतारा गया है। उन्होंने बताया कि वैकल्पिक व्यवस्था की जा रही है।घटना के समय विमान काफी ऊंचाई पर था और उसी समय पक्षी के टकराने पर पायलट ने आपातकालीन लैंडिंग की घोषणा की।बताया जा रहा है कि पक्षी विमान के पायलय की विंडशील्ड से टकराया था, जिससे खिडक़ी के शीशे क्षतिग्रस्त हो गए हैं।

अवैध तरीके से देसी बम बनाने के दौरान धमाका, 3 की मौत

मुर्शिदाबाद (आरएनएस)। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में रविवार रात को बड़ा हादसा हुआ। यहां अवैध तरीके से देसी बन बना रहे लोगों के घर में जोरदार धमाका हो गया, जिसमें 3 लोगों की मौत हो गई।स्थानीय मीडिया के मुताबिक, हादसा सागरपाड़ा थाना क्षेत्र के खैरतला इलाके में हुआ। यहां मामून मुल्ला नाम के व्यक्ति के घर पर बम बनाने का काम चल रहा था।मृतकों में मामून, साकिरुल सरकार और मुस्तकिन शेख शामिल हैं। शेख महताब कॉलोनी में रहता है। बताया जा रहा है कि धमाका इतना जोरदार था कि मामून के घर की छत उड़ गई और पूरा घर ढह गया। इस दौरान तीनों के चीथड़े उड़ गए।हादसे के बाद मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। धमाके से इलाके में दहशत है। धमाका कैसे हुआ, इसकी जांच की जा रही है।बताया जा रहा है कि मामून के घर पर अक्सर रात में ही बम बनाने का काम चलता था।

शिमला में सीजन की पहली बर्फबारी से झूमे पर्यटक, सड़कें हुई बंद

शिमला (आरएनएस)। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में रविवार रात को हुई बर्फबारी से पर्यटक खुश हो गए। यह सीजन की पहली बर्फबारी बताई जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, शिमला से सटे कुफरी, नारकंडा और फागू में भी जमकर बर्फ गिरी है। लौहाल-स्पीती, किन्नौर, कुल्लू, मनाली, चंबा और सिरमौर के ऊंचे इलाकों में और कांगड़ा के धौलाधार की पहाड़ियों पर भी बर्फ की चादर दिख रही है।भारतीय मौसम विभाग ने 2 दिन बारिश की संभावना जताई है। बर्फबारी के कारण शिमला की अंदरूनी सडक़ों पर आवाजाही प्रभावित है। हालांकि, शिमला-चंडीगढ़ और शिमला-बिलासपुर राष्ट्रीय राजमार्ग खुला हुआ है।अप्पर शिमला की ओर जाने वाली सडक़ को कुछ देर के लिए बंद किया गया था। अभी हिमाचल पथ परिवहन निगम ने इस मार्ग पर बस सेवा बहाल कर दी है।बर्फबारी से इलाकों में तापमान भी शून्य से नीचे माइनस में पहुंच गया है। बारिश से तापमान और गिरेगा। अभी स्कूलों में छुट्टी नहीं दी गई है।

दिल्ली के रोहिणी में डीटीयू के 2 छात्रों की चौथी मंजिल से गिरकर मौत

नईदिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली के रोहिणी इलाके से एक चौंकाने वाली खबर आई है। यहां के पेइंग गेस्ट (पीजी) आवास में रह रहे 2 छात्रों की चौथी मंजिल से गिरकर मौत हो गई।मृतक छात्रों की पहचान दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के छात्र ईशान और हर्षा वर्मा के रूप में हुई है। हर्षा परशुराम कॉलेज में बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन का छात्र था।मौके पर पुलिस जांच कर रही है और आसपास के लोगों से मामले की जानकारी जुटा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि केएन काटजू इलाके में सोमवार सुबह 2 छात्रों ने कूदकर अपनी जान दे दी है।उन्होंने बताया कि दोनों के परिजनों को सूचना दे दी गई है और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा जा रहा है। पुलिस की टीम मौके पर जांच कर रही है। पीजी के मालिक से भी पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि छात्रों ने कूदकर जान दी है या फिर हादसा है, यह अभी कहा नहीं जा सकता है। फिलहाल पीजी में रहने वाले और उनके कॉलेज के दोस्तों से पूछताछ की जा रही है।

पीएम मोदी ने एलआईसी की बीमा सखी योजना को किया लॉन्च, महिला सशक्तिकरण में होगा अहम योगदान

पानीपत | आरएनएस

पीएम मोदी आज हरियाणा के पानीपत दौरे पर हैं। यहां उन्होंने एलआईसी की 'बीमा सखी योजना' की शुरुआत की। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा कि हरियाणा में डबल इंजन की सरकार दोगुनी रफ्तार से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि आज महिला सशक्तिकरण की दिशा में भारत एक और मजबूत कदम उठा रहा है। आज का दिन और भी वजहों से विशेष है। आज 9 तारीख है, शास्त्रों में 9 अंक को बहुत शुभ माना जाता है। 9 अंक नवदुर्गा की नव शक्तियों से जुड़ा है। 9 दिसंबर के दिन ही संविधान सभा की पहली बैठक हुई थी। आज जब देश संविधान के 75 वर्ष का महोत्सव मना रहा है, 9 दिसंबर की ये तारीख हमें समानता और विकास को सर्वस्पर्शी बनाने की प्रेरणा देती है।

पीएम मोदी ने कहा कि अभी यहां (पानीपत) देश की बहनों-बेटियों को रोजगार देने वाली बीमा सखी योजना का शुभारंभ किया गया है। मैं देश की सभी बहनों को बहुत-बहुत बधाई देता हूं। कुछ वर्ष पहले मुझे, पानीपत से बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान शुरू करने का सौभाग्य मिला था। इसका सकारात्मक प्रभाव हरियाणा के साथ-साथ पूरे देश में हुआ। अब 10 वर्ष बाद, इसी पानीपत की धरती से बहनों-बेटियों के लिए बीमा सखी योजना का प्रारंभ हुआ है। हमारा पानीपत नारीशक्ति की प्रतीक भूमि बन गया है।

पीएम मोदी ने आगे कहा कि नारी को सशक्त करने के लिए बहुत आवश्यक है कि उन्हें आगे बढ़ने के खूब अवसर मिलें, उनके सामने से हर बाधा हटे। जब नारी को आगे बढ़ने का अवसर मिलता है, तो वो देश के सामने अवसरों के नए द्वार खोल देती हैं। लंबे समय तक हमारे देश में ऐसे अनेक काम थे जो महिलाओं के लिए वर्जित थे। भाजपा की हमारी सरकार ने बेटियों के सामने से हर बाधा को हटाने की ठानी है। आजादी के 60-65 साल बाद भी अधिकतर महिलाओं के पास बैंक खाते नहीं थे, यानी महिलाएं बैंकिंग सुविधाओं से कटी हुई थीं। इसलिए हमारी सरकार ने सबसे पहले माताओं-बहनों के जनधन खाते खुलवाए। आज मुझे गर्व है कि जनधन योजना से 30 करोड़ से अधिक महिलाओं के खाते खुले हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि आज लाखों बेटियों को बीमा एजेंट, बीमा सखी बनाने का अभियान शुरु हो रहा है यानी जिस सेवा का लाभ पाने से कभी वो वंचित रहीं, आज उसी सेवा से दूसरे लोगों को जोडऩे का जिम्मा उन्हें दिया जा रहा है। आज देश भर की 10 करोड़ बहनें स्वयं सहायता समूह से जुड़ी हैं। उनसे जुडक़र महिलाओं की कमाई हो रही है। बीते 10 वर्ष में हमने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को 8 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की मदद दी है। मैं देशभर में स्वयं सहायता समूह की बहनों को भी कहूंगा आपकी भूमिका असाधारण है, आपका योगदान बहुत बड़ा है।

उन्होंने कहा कि आप सभी भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक ताकत बनाने में जुटी हैं। हर चीज को वोट बैंक की तराजू पर तोलने वाले लोग आज बहुत परेशान हैं। उन्हें समझ नहीं आ रहा है कि चुनाव दर चुनाव मोदी के खाते में माताओं, बहनों, बेटियों का आशीर्वाद बढ़ता ही क्यों जा रहा है। जिन लोगों ने माताओं-बहनों को सिर्फ वोट बैंक समझा, वो इस मजबूत रिश्ते को समझ भी नहीं पाएंगे।

जूनागढ़ में तेज रफ्तार कार डिवाइडर फांदकर दूसरी कार से टकराई, 7 लोगों की मौत

अहमदाबाद | आरएनएस

गुजरात के जूनागढ़ में सोमवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। यहां एक तेज रफ्तार कार पहले डिवाइडर से टकराई, फिर दूसरी कार से जा भिड़ी। हादसे में 7 लोगों की मौत हुई है, जिसमें 5 छात्र शामिल हैं।हादसा जेतपुर-वेरावल राजमार्ग पर सुबह 8 बजे भंडुरी गांव के पास हुआ है। दोनों कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुई है। टक्कर के बाद एक कार में आग भी लग गई।पुलिस ने शवो को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

पुलिस ने बताया कि राजमार्ग पर दोनों तरफ से वाहन अपनी रफ्तार में आ रहे थे। तभी एक कार अनियंत्रित होकर पहले डिवाइडर से टकराई, फिर दूसरी तरफ से आ रही कार से जा भिड़ी।एक कार में 2 लोग, जबकि दूसरी कार में 5 छात्र सवार थे। सभी छात्र परीक्षा देने कॉलेज जा रहे थे।पुलिस ने बताय कि एक कार में सीएनजी सिलेंडर टक्कर के बाद फट गया, जिससे वाहन में आग लग गई। जांच जारी है।

हाइवे पर मिले आईईडी को सुरक्षाबलों ने किया निष्क्रिय, टला बड़ा हादसा

बारामूला | आरएनएस

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने सोमवार को एक बड़े हमले को टालने का दावा किया. सुरक्षा बलों ने उत्तरी कश्मीर के पलहालन में एक राष्ट्रीय राजमार्ग पर संदिग्ध आतंकवादियों द्वारा लगाए गए विस्फोटक का पता लगाया. अधिकारियों ने बताया कि पलपोरा गांव में एक निजी स्कूल के पास श्रीनगर-बारामूला राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक संदिग्ध बैग मिला. इसके बाद, पुलिस, सेना की 29 राष्ट्रीय राइफल्स, सीआरपीएफ और सशस्त्र सीमा बल की एक संयुक्त टीम मौके पर पहुंची और एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) का पता लगाया. बाद में बम निरोधक दस्ते (बीडीएस) ने बिना किसी नुकसान के निष्क्रिय कर दिया. एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, इलाके को तुरंत घेर लिया गया और यातायात और आम लोगों की आवाजाही रोक दी गई. जल्द ही एक बम निरोधक दस्ते को मौके पर बुलाया गया, जिसने बाद में बिना किसी नुकसान या चोट के आईईडी को नष्ट कर दिया. पुलिस ने बताया कि इम्प्रोवाइज्ड डिवाइस की तुरंत बरामदगी से एक बड़ी अप्रिय घटना टल गई. एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, हमने इलाके को सुरक्षित कर लिया है और राजमार्ग पर यातायात बहाल कर दिया है. इस बीच, पट्टन पुलिस स्टेशन ने घटना में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. जिस राजमार्ग पर आईईडी मिला, वह उरी और कुपवाड़ा में नियंत्रण रेखा (एलओसी) की अग्रिम चौकियों तक पहुंचने के लिए सेना के काफिलों द्वारा इस्तेमाल किया जाने वाला एक प्रमुख मार्ग है. यह घटना जम्मू-कश्मीर में निर्वाचित सरकार के सत्ता में आने के बाद से आतंकवादी हमलों में वृद्धि के बीच हुई है. वरिष्ठ अधिकारियों ने हाल ही में दावा किया कि उन्होंने उग्रवाद की संभावना के बीच घाटी में सुरक्षा बढ़ा दी है.

117 यात्रियों को लेकर कोच्चि जा रहा विमान में तकनीकी खराबी

❐ चेन्नई में आपात स्थिति में विमान को उतारा गया

चेन्नई | आरएनएस

चेन्नई से कोच्चि जा रहे एक निजी विमान में तकनीकी खराबी आ गई। ये जानकर विमान में सवार सभी यात्रियों की सांसें अटक गईं। तकनीकी खराबी का पता चलने के बाद चेन्नई में आपात स्थिति में विमान को उतारा गया। हवाई अड्डे के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विमान में 100 से अधिक यात्री और चालक दल के सदस्य सवार थे।

उन्होंने बताया कि सभी यात्री और अन्य सुरक्षित हैं। अधिकारियों के अनुसार, विमान 117 यात्रियों को लेकर चेन्नई से कोच्चि के लिए रवाना हुआ था। विमान हवा में ही था कि तभी पायलट को तकनीकी गड़बड़ी' का पता चला। इसके बाद विमान को चेन्नई वापस ले जाया गया।

एयरपोर्ट अधिकारियों की देखरेख में पायलट ने विमान को आपात' स्थिति में उतारा। अधिकारी ने कहा लैंडिंग के दौरान आवश्यक सुरक्षा उपाय किए गए और विमान को सुरक्षित रूप लैंड करा लिया गया।

वहीं, दूसरी ओर दिल्ली से शिलांग जा रहे स्पाइसजेट के एक विमान को सोमवार सुबह उड़ान के दौरान तकनीकी खराबी आने के बाद पटना के जयप्रकाश नारायण अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना सुबह करीब 8:52 बजे घटी, जिसमें विमान में सवार यात्रियों या चालक दल को कोई चोट या नुकसान नहीं पहुंचा है।

शिलांग जाने वाली इस उड़ान को तकनीकी समस्या आने के बाद एहतियात के तौर पर डायवर्ट कर दिया गया। पायलट ने हवाई यातायात नियंत्रण को सतर्क कर दिया। इसके बाद सुरक्षित लैंडिंग सुनिश्चित करने के लिए इमरजेंसी प्रोटोकॉल सक्रिय कर दिए गए।

विमान में सवार सभी यात्री और चालक दल सुरक्षित

एयरपोर्ट के अधिकारियों ने कहा कि इमरजेंसी लैंडिंग के बाद विमान में सवार सभी यात्री और चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं। यात्रियों की आगे की यात्रा को सुविधाजनक बनाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जा रही है।

दिल्ली के 40 स्कूलों को एक साथ फिर मिली बम से उड़ाने की धमकी

❐ आप ने बोला केंद्र पर हमला

नई दिल्ली | आरएनएस

दिल्ली में एक बार फिर 40 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इस धमकी के बाद स्कूल पहुंचे बच्चों को वापस घर भेज दिया गया है। सावधानी के तौर पर फायर ब्रिगेड और सुरक्षा विभाग की टीमें स्कूलों में जांच कर रही है। सोमवार की सुबह 7 बजे आरके पुरम के डीपीएस, पश्चिम विहार के जीडी गोयनका स्कूल, मदर मैरी स्कूल समेत 40 स्कूल मैनेजमेंट को बम की धमकी भरा ईमेल आया है।

ये मामला सामने आते ही सबसे पहले बच्चों को घर भेजा गया और पुलिस को जानकारी दी गई। फायर डिपार्टमेंट और दिल्ली पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है।

इस मामले को लेकर आम आदमी पार्टी के नेताओं ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर केंद्र सरकार पर हमला बोलना शुरू कर दिया है। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने सोशल मीडिया के जरिए केंद्र पर निशाना साधते हुए लिखा, दिल्ली में रोजमर्रा होने वाली फिरौती, हत्याओं, गोलीबारी की घटनाओं के बाद अब स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकियाँ मिल रही है। दिल्ली में लॉ एंड ऑर्डर की ऐसी बदहाल हालत पहले कभी नहीं रही। भाजपा शासित केंद्र सरकार दिल्ली वालों को सुरक्षा देने के अपने इकलौते काम में फेल हो चुकी है।

इस खबर को देखते हुए आम आदमी पार्टी के राशि संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भी सोशल मीडिया के जरिए लिखा, दिल्ली वालों ने दिल्ली में कानून व्यवस्था की इतनी बुरी हालत पहले कभी नहीं देखी थी। अमित शाह को आकर दिल्ली वालों को जवाब देना चाहिए।

वहीं दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने भी कहा, दिल्ली के 40 स्कूलों में बम की यह धमकी दिल दहला देने वाली है। ईश्वर सब ठीक रखें।

दिल्ली में लगातार हो रही घटनाओं को लेकर आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल, मुख्यमंत्री आतिशी समेत सभी नेता लगातार केंद्र सरकार पर हमलावर बने हुए हैं। इनका कहना है कि केंद्र सरकार के पास एक ही जिम्मेदारी है वह भी सुरक्षा व्यवस्था की। जिसको लेकर केंद्र सरकार का गृह मंत्रालय पूरी तरीके से फेल हो चुका है और लगातार दिल्ली में घटनाएं होती जा रही है।

दिल्ली के स्कूलों में मिली इस धमकी को लेकर अब दिल्ली में राजनीति गर्माने लगी है। एक तरफ जहां आम आदमी पार्टी लगातार सुरक्षा व्यवस्था के मामले में केंद्र सरकार को इसके लिए जिम्मेदार ठहरा रही थी वही इस बम की घटना से आप को दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले केंद्र सरकार को घेरने का एक और मौका मिल गया है।

एक देश, एक चुनाव पर संसद के इसी सत्र में विधेयक पेश कर सकती है सरकार

नईदिल्ली | आरएनएस

खबर है कि केंद्र सरकार संसद के इसी सत्र में एक देश, एक चुनाव से जुड़े विधेयक पेश कर सकती है। सूत्रों के हवाले से कहा है कि सरकार विधेयक पर आम सहमति बनाना चाहती है और इसे चर्चा के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास भेज सकती है। जेपीसी सभी राजनीतिक पार्टियों से चर्चा करेगी।बता दें कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इस संबंध में रामनाथ कोविंद समिति की रिपोर्ट को पहले ही मंजूरी दे दी है।

रिपोर्ट के मुताबिक, सरकार अलग-अलग हितधारकों को भी चर्चा में शामिल कर सकती है। सभी राज्यों की विधानसभाओं के अध्यक्ष, बुद्धिजीवियों, विशेषज्ञों और नागरिक समाज के सदस्यों को अपने विचार साझा करने के लिए आमंत्रित किया जाएगा।आम जनता से भी सुझाव मांगे जाएंगे। इस दौरान विधेयक के प्रमुख पहलुओं, जैसे फायदे, नुकसान और देश भर में एक साथ चुनाव कराने के लिए जरूरी कार्यप्रणाली पर गहन चर्चा की जाएगी।

एक देश एक चुनाव के अंतर्गत विधानसभा-लोकसभा चुनाव एक साथ होंगे।रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक साथ चुनाव 2 चरणों में करवाए जा सकते हैं। पहले चरण में लोकसभा और कुछ राज्यों की विधानसभा के लिए मतदान हो सकता है। दूसरे चरण में बाकी राज्यों के विधानसभा चुनाव एक साथ हो सकते हैं।अगर राज्य सरकार बीच में गिरती है तो दूसरी बार में अन्य राज्यों के साथ उस राज्य के दोबारा चुनाव हो सकेंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को महिला सैन्य अधिकारी को स्थायी कमीशन देने का दिया निर्देश

नई दिल्ली | आरएनएस

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र को एक महिला सैन्य अधिकारी को स्थायी कमीशन देने का निर्देश दिया, जिसके बराबर वाले अधिकारियों से इतर भेदभाव किया गया था. कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए महिला अधिकारी को स्थायी कमीशन दिया.

इस संबंध में न्यायमूर्ति बी आर गवई और के वी विश्वनाथन की पीठ ने कहा, उदाहरण के लिए, सियाचिन या अन्य कठिन इलाकों में सीमाओं की बहादुरी से रक्षा करने वाले बहादुर भारतीय सैनिकों का मामला लें. सेवा की शर्तों और नौकरी के लाभों के बारे में विचार उनके दिमाग में आखिरी होंगे.

कोर्ट ने कहा, क्या उन्हें यह बताना उचित होगा कि उन्हें राहत नहीं दी जाएगी. भले ही वे समान स्थिति में हों, क्योंकि जिस फैसले पर वे भरोसा करना चाहते हैं, वह केवल कुछ आवेदकों के मामले में पारित किया गया था, जिन्होंने अदालत का रुख किया था? हमें लगता है कि यह बहुत अनुचित परिदृश्य होगा.

पीठ की ओर से फैसला लिखने वाले न्यायमूर्ति विश्वनाथन ने कहा कि इस मामले में प्रतिवादियों के रुख को स्वीकार करने का नतीजा यह होगा कि यह कोर्ट अधिकारियों द्वारा अपनाए गए अनुचित रुख पर अपनी मुहर लगाएगा. पीठ ने कहा कि अधिकारियों को स्वयं ही एएफटी, प्रधान पीठ के 2013 के फैसले का लाभ अपीलकर्ता लेफ्टिनेंट कर्नल सुप्रिता चंदेल को देना चाहिए था, क्योंकि एक अधिकारी के रूप में उनकी सेवा उल्लेखनीय रही है.

पीठ ने कहा कि उन्होंने 2007 से लगातार काम किया है, इसके अलावा 14 जनवरी, 2019 को सेना प्रमुख द्वारा उन्हें प्रशस्ति पत्र भी मिला है. सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अपीलकर्ता का मामला भेदभाव के सिद्धांत पर आधारित है. जो चीज हंस के लिए अच्छी है, वही हंस के लिए भी अच्छी होनी चाहिए.

पीठ ने कहा, यदि ओ.ए. संख्या 111/2013 में आवेदक, जिनकी स्थिति अपीलकर्ता के समान है, पदोन्नति के लिए तीसरा मौका दिए जाने के योग्य पाए गए, क्योंकि उन्होंने 20 मार्च 2013 को संशोधन से पहले पात्रता प्राप्त की थी, तो हमें कोई कारण नहीं दिखता कि अपीलकर्ता के साथ समान व्यवहार क्यों न किया जाए.

सुप्रीम कोर्ट ने सशस्त्र बल न्यायाधिकरण, लखनऊ द्वारा राहत देने से इनकार करने के खिलाफ उनकी अपील को स्वीकार कर लिया. पीठ ने कहा कि वह उन आवेदकों के साथ समानता की हकदार हैं, जिन्होंने पदोन्नति के लिए तीसरा मौका दिए जाने में एएफटी, प्रिंसिपल बेंच दिल्ली के समक्ष सफलता प्राप्त की, क्योंकि उन्होंने 20 मार्च, 2013 को नियमों में संशोधन से पहले पात्रता प्राप्त की थी.

कोर्ट ने पाया कि जब अन्य समान स्थिति वाले अधिकारियों पर विचार किया गया और उन्हें स्थायी कमीशन दिया गया, तो उन्हें गलत तरीके से विचार से बाहर रखा गया. सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह कानून का एक सुस्थापित सिद्धांत है कि जहां सरकारी विभाग की कार्रवाई से व्यथित कोई नागरिक कोर्ट में जाता है और अपने पक्ष में कानून की घोषणा प्राप्त करता है, तो उसी स्थिति में अन्य लोगों को भी कोर्ट जाने की आवश्यकता के बिना लाभ दिया जाना चाहिए.

नियमों में संशोधन की वजह से अपीलकर्ता को उसके तीसरे अवसर से वंचित कर दिया गया, क्योंकि विस्तार की सीमा 35 वर्ष थी और यह केवल उन्हीं लोगों तक सीमित थी, जिन्होंने 20 मार्च, 2013 को डेंटल सर्जरी में स्नातकोत्तर की योग्यता प्राप्त की थी.

सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपनी असाधारण शक्तियों का प्रयोग करते हुए निर्देश दिया कि अपीलकर्ता को स्थायी कमीशन दिया जाना चाहिए. न्यायमूर्ति विश्वनाथन ने कहा, हम निर्देश देते हैं कि अपीलकर्ता के मामले को स्थायी कमीशन प्रदान करने के लिए लिया जाए और उसे उसी तिथि से लाभ दिया जाए, जिस तिथि से समान स्थिति वाले व्यक्तियों को लाभ दिया गया था, जिन्होंने एएफटी की मुख्य पीठ के 22 जनवरी 2014 के निर्णय के अनुसार लाभ प्राप्त किया था.